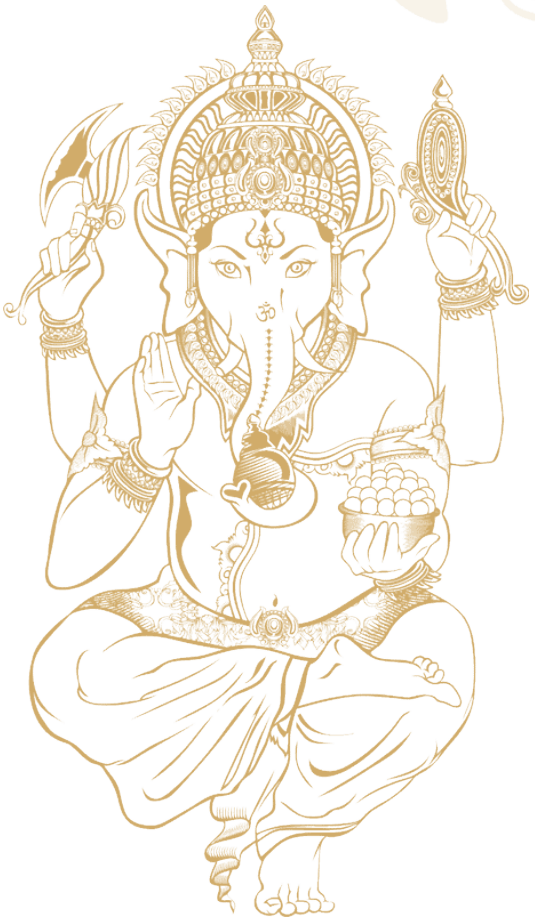

Narinder

Nidhi jamwal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121242802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/08/1995	जन्म तिथि	30/11/1996
रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 11:30:00	जन्म समय	22:20:00 घंटे
घटी 14:16:30	जन्म समय(घटी)	37:44:37 घटी
India	देश	India
Jammu	स्थान	Jammu
32:42:00 उत्तर	अक्षांश	32:42:00 उत्तर
74:52:00 पूर्व	रेखांश	74:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:32	स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:47:24	सूर्योदय	07:14:09
19:24:58	सूर्यास्त	17:24:23
23:47:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:51

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 16वर्ष 0मा 14दि	00:58:24	तुला	लग्न	कर्क	21:40:11	बुध 15वर्ष 6मा 28दि
शुक्र	19:31:52	कर्क	सूर्य	वृश्चि	14:57:17	शुक्र
20/08/2018	17:25:11	वृश्चि	चंद्र	कर्क	17:46:52	30/06/2019
20/08/2038	15:45:17	कन्या	मंगल	सिंह	22:30:12	30/06/2039
शुक्र 20/12/2021	29:13:03	कर्क	बुध	धनु	00:31:22	शुक्र 30/10/2022
सूर्य 20/12/2022	11:45:06	वृश्चि	गुरु	धनु	24:27:30	सूर्य 30/10/2023
चन्द्र 20/08/2024	15:28:00	कर्क	शुक्र	तुला	15:37:37	चन्द्र 30/06/2025
मंगल 20/10/2025	00:10:57	मीन व	शनि व	मीन	06:48:08	मंगल 30/08/2026
राहु 20/10/2028	06:02:52	तुला व	राहु व	कन्या	11:50:27	राहु 30/08/2029
गुरु 21/06/2031	06:02:52	मेष व	केतु व	मीन	11:50:27	गुरु 30/04/2032
शनि 20/08/2034	04:05:06	मक व	हर्ष	मक	07:55:38	शनि 30/06/2035
बुध 20/06/2037	29:50:07	धनु व	नेप	मक	01:58:44	बुध 30/04/2038
केतु 20/08/2038	04:01:10	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	09:24:23	केतु 30/06/2039

लग्न-चलित

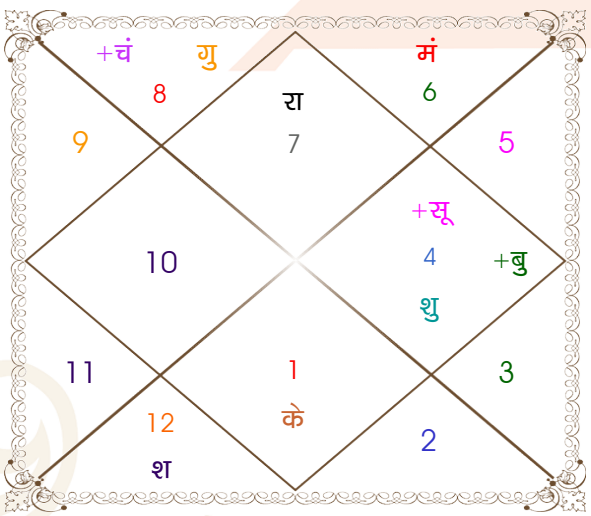

लग्न-चलित

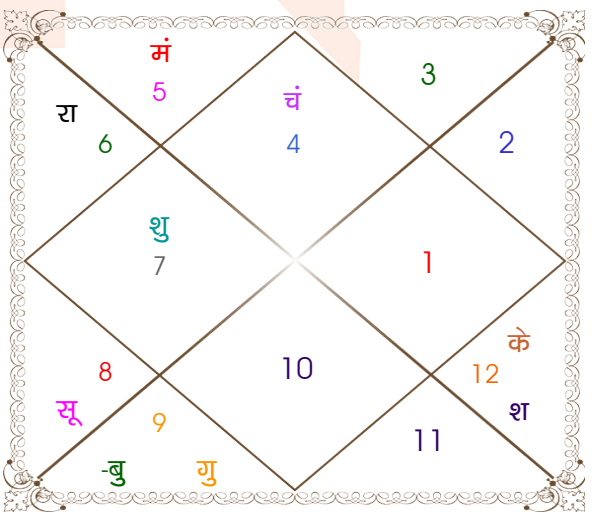

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Narinder का वर्ग सर्प है तथा छपकीप रंडूंस का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Narinder और छपकीप रंडूंस का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Narinder मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Narinder कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

छपकीप रंडूंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु छपकीप रंडूंस कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Narinder तथा छपकीप रंडूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।